३०/९६५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१२)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००)

सत्संग प्रारंभ

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र - तृतीय संस्करण, जनवरी - २००७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''इससे मुझे तुम पर बहुत गुस्सा हो आया है ।'' (४४) २. ''तुम हमारे लिए नाव की अलग व्यवस्था कर दो ।'' (६१)

३ ''घनश्याम को खूब दौड़ाना, लेकिन कभी उसकी पकड़ में न आना ।'' (१०)

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. माता-पिता की उम्र वृद्धावस्था तक पहुँची तब घनश्याम कितने साल के हो चुके थे ? (७८)

२. घनश्याम को चेचक और बुखार कैसे उतर गया ? (१९)

३. भगवान नारायण के माता-पिता का नाम क्या था ? (२) ४. घनश्याम को क्या खाया नहि जाता था ? (४७)

प्र.३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों को मार :- छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर रोटियाँ झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।

उत्तर : बन्दरों को मार :- अयोध्या में घनश्याम बरामदे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर पूड़ी झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।

१. **लक्ष्मीबाई को चमत्कार :** सुखनन्दन के माता बसंतबाई ने सारे गाँव में यह बात फैला दी कि दूध का चोर पकड़ा गया है । (५४)

२. **'खाँपा' तलैया :** छपिया में देवों के वैद्य अश्विनीकुमार ने घनश्याम के बाँये पैर की जाँघ में पट्टी बाँध दी । (३९)

३. **मल्लों की पराजय :** अयोध्या में घनश्याम ने तानसंग, बील्लीसंग और भीमसंग नाम के मल्लों को हरा दिया । (३३, ३५)

४. **दो रूपों में दर्शन :** जन्माष्टमी के दिन घनश्याम धर्मपिता के पास और ठाकुरजी के पास ऐसे दो रूपों में दिखाई दिए । (७२)

प्र.४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (विवरण आवश्यक नहीं है ।) [५]

१. काशी की सभा में दिग्विजय (७६-७८) २. पानी पर चले (६७-६९) ३. मुमुक्षु किस दिशा की ओर (२८)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. बालप्रभु का पराक्रम । (३)

(१) ☐ कालिदत्त । (२) ☐ कोटरा । (३) ☐ हनुमानजी । (४) ☐ लक्ष्मीजी ।

२. बन्दर को समाधि । (२३)

(१) ☐ घनश्याम धर्मपिता के पास भोजन करने बैठे थे । (२) ☐ घनश्याम रामप्रतापभाई के पास भोजन करने बैठे थे ।

(३) ☐ बँदर रोटियाँ ऊठा ले गया । (४) ☐ बँदर पूड़ीयाँ ऊठा ले गया ।

३. घनश्याम ने हिंसा बन्द करवाई । (४३)

(१) ☐ राजा के पीछे बाघ दौड़ा । (२) ☐ तुम और तुम्हारी सेना घोर पाप कर रही है ।

(३) ☐ उसने प्रतिज्ञा की 'आज से कभी भी वह स्वयं निर्दोष प्राणियों की हिंसा नहीं करेगा ।'

(४) ☐ तुम तो अल्लाह हो, खुदाताला हो, मैं तुम्हारा गुलाम हूँ ।

४. मौसी को चमत्कार । (६२)

(१) ☐ भक्तिमाता की बहनें - बसन्ताबाई, चन्दनबाई । (२) ☐ बसंतमौसी ने प्रभाती गाई - 'उठो लाल, प्रभात भयो है ।'

(३) ☐ तुलसीदास कृत प्रभाती । (४) ☐ तुम्हारा चमत्कार तो हमें आज ही मालूम हुआ ।

प्र.६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. धर्मदेव रामप्रताप और घनश्याम को लेकर जंगल में गये । (६६)

२. घर्मपिता और भक्तिमाता को निश्चय हो गया कि घनश्याम महान विद्वान बनेगा । (८)

३. भक्तिमाता घड़ा और रस्सी छोड़कर घर वापस आ गई । (३१)

विभाग - २ : योगीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००५

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''दो बातें याद रखना ।'' (१३) २. ''प्रमुखस्वामी में तिलमात्र का भी फ़र्क नहीं है ।'' (५४)

३. ''धर्म और नीति के संस्कार दिए - यह वास्तव में प्रशंसनीय बात है ।'' (४७)

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. यज्ञपुरुष स्मृति नामक ग्रन्थ योगीजी महाराज ने कब प्रकट करवाया ? (४३)

२. युवक क्या करे तो योगीजी महाराज अति प्रसन्न हो जाते थे ? (३८)

३. योगीजी महाराज पुनः अफ्रीका तथा एडन कौन-सी साल में पधारे थे ? (४६)

४. गरासिया (जागीरदार) हरिभक्त ने झीणा भगत के पैर के तलवे में क्या देखा ? (१५)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रारंभ**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.९ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । [६]

विषय : गुरुभक्ति । (३४)

१. योगीजी महाराज को सारनगाँठ हुई । **२.** सब हरिभक्त रोने लगे । **३.** योगीजी महाराज ने शास्त्रीजी महाराज को लेटे हुए ही (हाथ ऊँचे करके) प्रणाम किया । **४.** शास्त्रीजी महाराज आये तब योगीजी महाराज का ऑपरेशन हो गया था । **५.** डॉक्टर एस्पिनॉल को बताया गया। **६.** शास्त्रीजी महाराज ने पूछा, 'योगीजी महाराज को दूध दिया ?' **७.** डॉ. एस्पिनॉल ने कहा, 'ये साधु बेहोश नहीं थे ।' **८.** शास्त्रीजी महाराज चाणसद मे औषधोपचार करवा रहे थे । **९.** योगीजी महाराज के कमरे में टेबल पर शास्त्रीजी महाराज की मूर्ति रखी गई । **१०.** हीरजीभाई ने (अस्पताल में) योगीजी महाराज के लिए अलग कमरे की व्यवस्था की । **११.** दो घण्टों के बाद पूरे होंश में आए । **१२.** योगीजी महाराज हर दूसरे दिन उपवास करते थे ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० 'मुझे साधु बनाइये' (९-१०) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]**

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. योगीजी महाराज लंदन पधारे । (४६-४७)

२. पतालिया झरना पास झीणाभाई को ध्यानस्थ देखकर सब आश्चर्यमुग्ध हो जाते थे । (२)

३. योगीजी महाराज को युवकों को साधु बनाने की इच्छा थी । (४०)

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ - प्रथम संस्करण, दिसम्बर - १९९५

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. महाराज ने सामत से किस बात का जिक्र किया ? (२१) २. अखण्डानन्द स्वामी क्या विचार करते शेर के पास पहुँचे ? (१५)

३. विहारीलालजी महाराज ने डुंगर भक्त का क्या नाम रखा ? (३९) ४. श्रीजीमहाराज और मुक्तानन्द स्वामी के गुरु कौन थे ? (१७)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. वीर भगुजी । (१८)

(१) ☐ खबड़ और मतारा । (२) ☐ दादा खाचर के खेतों की देखभाल ।

(३) ☐ संतदास । (४) ☐ मुझे तो स्वामिनारायण भगवान चाहिए ।

२. अक्षरब्रह्म गुणातीतानंद स्वामी । (२९)

(१) ☐ संवत् १८४१ आश्विन शुक्ला पूर्णिमा (२) ☐ भोलानाथ, साकरबा

(३) ☐ जूनागढ़ के महन्त (४) ☐ 'स्वामीनी वातुं'

३. पूँजा डोडिया । (४२)

(१) ☐ मांडवी गाँव (२) ☐ अन्न, जल अब गले के नीचे नहीं उतरेगा ।

(३) ☐ माणकी मोक्ष की अधिकारी । (४) ☐ वे स्वयं मुझे सत्तरवे दिन ले जायेंगे ।

४. धून (२)

(१) ☐ आत्मा याने सहजानंद स्वामी । (२) ☐ अजामिल को चार लड़के ।

(३) ☐ छोटे लड़के का नाम 'नारायण' । (४) ☐ परब्रह्म याने गुणातीतानंद स्वामी ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. नाथभक्त ..... में रहते थे । (४५) २. सहजानन्द स्वामी भक्तों के ..... के दुःख को दूर करते हैं । (५)

३. अजामिल के घर ..... पधारे । (२) ४. ..... ने भगुजी को मारने के लिए घाव में कबूतर की विष्टा भर दी । (२०)

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । [८]

१. चरणसरोज ..... नरनारी । (१७) २. हम सभी स्वामी ..... मृत्यु के लिए । (शौर्यगीत)

३. श्री हरि जय जय ..... भवभयहारी । (४) ४. जमो थाल जीवन ..... केरीनो घोली । (२३)

प्र.१६ 'लाख काम बिगाड़.....' (३४) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (प्रंदह पंक्तियाँ) [५]**

प्र.१७ 'शूरवीर बालभक्त' (१०-११) - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।) [५]**

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २०१२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/